



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 221]

No. 221]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 6, 1998/चैत्र 16, 1920

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 6, 1998/CHAITRA 16, 1920

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 6 अप्रैल, 1998

का०आ०295 (अ).—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड, मुम्बई द्वारा, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन किए गये मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन पर विचार करते हुए और यह समाधान हो जाने पर कि यह व्यापार के हित में होगा और ऐसा करना लोक हित में भी होगा एतद्वारा, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कथित अधिनियम की धारा 4 के अधीन स्टॉक एक्सचेंज को 26 अप्रैल, 1998 को प्रारम्भ होने वाली 25 अप्रैल, 2003 को समाप्त होने वाली पाँच वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए, प्रतिभूतियों में संविदाओं की बाबत शर्तों जो तत्पश्चात् समय-समय पर विहित या अधिरोपित की जाएं के अध्वधीन प्रदान करता है।

[फा. सं. विधि/2537/98]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 6th April, 1998

S.O. 295.(E)—Securities and Exchange Board of India having considered the application for renewal of recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 by National Stock Exchange of India Limited, Mumbai and being satisfied that it would be in the interest of trade and also in the public interest so to do hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 recognition to the stock exchange under section 4 of the said Act for a further period of five years commencing on the April, 26, 1998 ending on April 25, 2003, in respect of contracts in securities subject to the conditions as may be prescribed or imposed thereafter from time to time.

[File. No. LE/2537/98]

D. R. MEHTA, Chairman.

